जरावा - एक सवाल - जवाब

प्र० अगर कोई अनजान व्यक्ति तुमसे ज़बरदस्ती तुम्हारी कोई खास चीज़ (तीर कमान!) छीन ले, तो तुम्हें कैसा लगेगा?

प्र० अगर कोई अनजान व्यक्ति तुमसे बिना किसी कारण के कुछ माँगे तो क्या तुम उसे वह चीज़ दे दोगे? यदि नहीं तो किस कारण से?

प्र० ऐसे "माँगने" वाले व्यक्ति को, जो कि बिना किसी मेहनत के खाने-पीने की चीज़े माँगे, तुम क्या कहोगे / समझोगे?

प्र० क्या बिना मेहनत के, जैसे कि शिकार करे बिना, कोई फल मिलता है? अगर नहीं तो क्या हमें हाथ पर हाथ रख कर बैठने से फल / खाना मिल जायेगा?

प्र० क्या जंगल के बाहर की ज़िंदगी ज़्यादा अच्छी है? अगर बाहर रहने के लिए बहुत ज़्यादा मेहनत (पत्थर तोड़ना), घर वालों से दूर रहना, बीमार पड़ जाना, आदि करने के लिए तैयार हो?

प्र० क्या कारण है कि बाहर वाले (हम लोग) जंगल में नहीं ~~रह पाते~~ हैं और आप लोग आराम से रह पाते हो? दोनों तरह ~~को~~ के जीवन में बहुत अंतर है। हो सकता है कि ~~आपकी~~ तरह जीना ज़्यादा अच्छा हो।

प्र० क्या तुम्हारे बड़े-बूढ़े (पिता - दादा) भी सड़क पर आकर खाना माँगना चाहते हैं? अगर नहीं तो उसका क्या कारण है? क्या वे तुम्हें ऐसा करने से मना नहीं करते हैं?

प्र० जंगल के अंदर तुम्हें खुश रहने के लिए तुम्हें/हमें और क्या कुछ करना चाहिए - ~~तुम्हें~~?

प्र० अगर तुम्हें बाहर से खाना चाहिए तो उसको पाने के लिए तुम क्या '<u>काम</u>' / <u>मेहनत</u> करना चाहोगे?